श्रीलंका के नए राष्ट्रपति, गोटाबाया राजपक्षे

लेखक - अरुण जनार्दन (संपादक)

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-II (अंतर्राष्ट्रीय संबंध) से संबंधित है।

इंडियन एक्सप्रेस

20 नवंबर, 2019

"गोटाबाया राजपक्षे, श्रीलंका के नए राष्ट्रपति, 2009 में लिट्टे को एक अंतिम, खूनी युद्ध में हराने के लिए जाने जाते हैं। उनके भाई महिंदा राजपक्षे का झुकाव चीन समर्थन में अधिक रहा है और भारत इस पर पैनी नज़र बनाए हुए है।"

हाल ही में गोटाबाया राजपक्षे ने सोमवार को श्रीलंका के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली, जिन पर भारत सहित अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की भी नज़र टिकी हुई थी। गोटाबाया राजपक्षे ऐसे व्यक्ति हैं जिन्होंने अपने भाई महिंदा राजपक्षे के राष्ट्रपति कार्यकाल (2005-15) के दौरान रक्षा सचिव के पद पर रहकर तमिल टाइगर्स को कुचल दिया था। विदित हो कि महिंदा राजपक्षे का राष्ट्रपति कार्यकाल एक ऐसी अवधि के रूप में भी जाना जाता है, जहाँ आत्मसमर्पित आतंकवादियों और नागरिकों पर क्रूरता देखने को मिली थी।

राजपक्षे ब्रदर्स

70 साल के गोटाबाया श्रीलंका में सक्रिय राजपक्षे के चार भाइयों में से एक हैं जो देश के दक्षिण में रहते हैं। महिंदा और गोटाबाया के अलावा, अन्य भाई बसिल राजपक्षे हैं जिन्होंने राष्ट्रपति महिंदा के सलाहकार के रूप में सेवा की और 2007 और 2015 के बीच सांसद रहे; और चौथे भाई चामल राजपक्षे है जो संसद अध्यक्ष (2010-15) रहे थे और अब सक्रिय राजनीति से दूर हैं। बेसिल ने पिछले हफ्ते कहा कि राजनीति गोटाबाया के खून में थी; उनके पिता भी एक सांसद और एक मंत्री रहे थे।

गोटाबाया की विरासत

गोटाबाया एक पूर्व लेफ्टिनेंट कर्नल थे जिसने श्रीलंकाई सेना में दो दशक की सेवा की। बाद में 1992 से 2005 तक अमेरिका में एक टेक्नोक्रेट के रूप में काम किया, रक्षा सचिव के रूप में कार्यभार संभालने से पहले।

लगभग तीन दशकों से गृहयुद्ध और जातीय संघर्ष की चपेट में रहे एक देश में गोटाबाया ने भारतीय और अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की मदद से निर्णायक कदम उठाते हुए श्रीलंका को 2009 में लिट्टे के खिलाफ युद्ध को खत्म करने में मदद की।

युद्ध के अंतिम चरण में 40,000 से अधिक नागरिक और कई सैन्यकर्मी मारे गए जबकि कई सौ नागरिक और लिट्टे कैडर गायब हो गए। इसके कारण 'सफेद झंडे वाली घटनाओं' की खबरें सामने आईं जिसमें कथित तौर पर सेना द्वारा लिट्टे के आत्मसमर्पण करने वाले लोगों की हत्या कर दी गई थी और 'सफेद वैन की घटनाएँ' जिसमें तमिलों और युद्ध का विरोध करने वालों का कथित रूप से सरकार समर्थित निजी मिलिशिया द्वारा अपहरण कर लिया गया था।

इस प्रतिष्ठा से गोटाबाया को बहुसंख्यक सिंहली बौद्धों के साथ-साथ उन सभी लोगों से भी समर्थन प्राप्त हुआ जिन्होंने लिट्टे का विरोध किया था। गोटाबाया को शहरी विकास और कोलंबो के सौंदर्यीकरण से संबंधित उपायों के लिए भी श्रेय दिया जाता है।

उनकी विरासत पर उनके विचार

हाल ही में कोलंबो में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में गोटाबाया से उनकी पिछली भूमिका और कथित युद्ध अपराधियों को दी गई सज़ा के बारे में पूछा गयी। जिस पर उन्होंने जवाब दिया कि अतीत को भूलकर आगे बढ़ने का समय अब आ गया है।

2018 में एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि उन्होंने सही काम किया है। "युद्ध अच्छी बात नहीं है; लेकिन श्रीलंका में मैंने युद्ध

बनाया नहीं, मैंने युद्ध समाप्त किया था। आज हमारा देश LTTE के बिना एक बेहतर जगह बन गया है।"

यह पूछे जाने पर कि क्या वह सैकड़ों हत्याओं के ज़िम्मेदार होने के बावजूद उन्हें अच्छी नींद आ जाती है, जिस पर उन्होंने कहा कि "केवल सैनिक ही नहीं बल्कि आतंकवाद के कारण निर्दोष लोग भी मारे गए थे। बम यह समझ नहीं सकता कि कौन दुश्मन है और कौन दोस्त है या कौन एक नागरिक है या कौन सैन्य वैन है। इसलिए मुझे अफसोस नहीं है। मैं हर दिन युद्ध के दौरान भी सोता था।"

इनकी प्राथमिकताएँ

शपथ लेते हुए अपने भाषण में गोटाबाया ने कहा "मैं यह बताना चाहता हूँ कि मेरी सरकार की सबसे महत्त्वपूर्ण ज़िम्मेदारी अपने देश की राष्ट्रीय सुरक्षा को सुनिश्चित करना है। हम देश को आतंकवाद, अंडरवर्ल्ड गतिविधियों, लुटेरों, जबरन वसूलीवादियों से बचाने के लिए राज्य सुरक्षा मशीनरी का पुनर्निर्माण करेंगे।"

विदित हो कि यह जीत अप्रैल में होटलों और चर्चों पर आतंकवादी हमलों के बाद आई है जिसमें 250 से अधिक लोग मारे गए थे और जिसकी ज़िम्मेदारी इस्लामिक स्टेट ने ली थी।

इस जीत का क्या मतलब है

हालाँकि, उन्हें शपथ दिलाई जा चुकी है लेकिन जब तक कि प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे की वर्तमान सरकार को भंग नहीं किया जाता है तब तक गोटाबाया किसी सरकार के बिना ही राष्ट्रपति होंगे। यह स्पष्ट नहीं है कि संसद को भंग करने के लिए विक्रमसिंघे की यूनाइटेड नेशनल पार्टी (UNP) तैयार है या नहीं। ऐसी चर्चाएँ हैं कि गोटाबाया का सेना और प्रमुख विभागों पर नियंत्रण हो सकता है जबकि उन्हें मार्च के बाद अगले संसद चुनाव का इंतज़ार करना होगा, या फिर पूर्ण शक्तियाँ हासिल करने के लिए खुद कैबिनेट का गठन करना होगा।

पराजित राष्ट्रपति के उम्मीदवार साजिथ प्रेमदासा (यूएनपी) के करीबी सूत्रों ने कहा कि वह अपना कार्यकाल पूरा होने से पहले संसद को भंग करने के किसी भी कदम का विरोध करेंगे। हालाँकि विक्रमसिंघे शिविर के सूत्रों ने कहा कि वह पद छोड़ने के लिए तैयार हैं।

इसका भारत के लिए क्या मतलब है

अपनी जीत के बाद गोटाबाया ने बताया कि 'श्रीलंका में एक मजबूत राष्ट्रपति यह सुनिश्चित करेगा कि श्रीलंका अपने देश की स्वतंत्रता और स्वायत्तता की रक्षा करते हुए भारत का सबसे करीबी दोस्त है।'

महिंदा शासन के दौरान (रक्षा सचिव के रूप में गोटाबाया का कार्यकाल), श्रीलंका के चीन समर्थक रुख ने भारत के लिए चिंता का विषय बना दिया था, खासकर तब जब चीनी पनडुब्बियों और युद्धपोतों ने कोलंबो के बंदरगाह पर बार-बार अघोषित दौरे किए। चीन को तब भारी रियायतें मिली थीं और उसने अरबों डॉलर के ऋणों को बढ़ाया था जिसने श्रीलंका में बंदरगाहों और राजमार्गों के निर्माण में मदद करते हुए देश को गहरे कर्ज में डाल दिया था।

अपने 2018 के साक्षात्कार में गोटाबाया ने कहा कि महिंदा सरकार ने कभी भी श्रीलंका की मिट्टी को भारत के खिलाफ किसी भी विदेशी देश द्वारा उपयोग करने की अनुमति नहीं दी थी। अब, अपने शिविर के एक सलाहकार ने कहा कि चीन और संभावित निवेशकों के साथ अधिक व्यापार भागीदार की खोज करते हुए भारत के साथ एक स्वस्थ संबंध मजबूत करने में गोटाबाया की विशेष रुचि होगी।

आलोचकों ने गोटाबाया को संयुक्त राज्य अमेरिका के अधीन होने का आरोप लगाया हैं क्योंकि उनके पास चुनाव से पहले अमेरिका की नागरिकता थी। साथ ही विपक्ष ने दोहरी नागरिकता के बारे में आरोप लगाए हैं जिससे गोटाबाया ने इंकार किया है।

संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

1. **निम्नलिखित कथनों पर विचार कर सत्य कथन की पहचान कीजिए:-**

1. श्रीलंका दक्षिण एशिया में हिन्द महासागर के पश्चिमी भाग में स्थित एक द्वीपीय देश है।
2. श्रीलंका का पुराना नाम सीलोन था।
3. गोटाबाया राजपक्षे श्रीलंका के नव निर्वाचित राष्ट्रपति है।

कूट:-

(a) 1 और 2

(b) 2 और 3

(c) 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

Expected Questions (Prelims Exams)

1. **Consider the following statements and choose the correct Answer using the code given below.**

1. Sri Lanka is a South Asian island nation located in the western part of the Indian Ocean.
2. The early name of Sri Lanka was Ceylon.
3. Gotabaya Rajapaksa is the newly elected President of Sri Lanka.

Code:-

(a) 1 and 2

(b) 2 and 3

(c) 1 and 3

(d) 1, 2 and 3

संभावित प्रश्न (मुख्य परीक्षा)

प्रश्न: श्रीलंका के चुनाव परिणामों का भारत के लिए क्या निहितार्थ हैं? चर्चा कीजिए। (250 शब्द)

What are the implications of result of Sri Lanka's election for India? Discuss (250 words)

नोट : 19 नवम्बर को दिए गए प्रारंभिक परीक्षा (संभावित प्रश्न) का उत्तर 1 (b) होगा।

Committe